Printed Pages – 15

J-296

B.Com. (Part-I) (Old Course) Examination, 2021

Paper - I

FINANCIAL ACCOUNTING

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all the five questions. One question from each unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई–I / Unit–I

Q. 1. आस्थगित आगम व्यय से आप क्या समझते है ? किन दशाओं में आगम गत व्यय पूंजीगत व्यय में परिवर्तित हो जाते है ? समझाइये।

What do you understand by deferred revenue expenditure ? Under what circumstances does the capital expenditure become revenue expenditure ? Explain.

अथवा OR

रमेश फर्नीचर का व्यवसाय करता है। उसके निम्नलिखित संव्यवहारों का रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए :

(अ) फर्नीचर मार्ट से ₹ 50,000 का फर्नीचर व्यापार हेतु और ₹ 5,000 का फर्नीचर निजी प्रयोग हेतु उधार खरीदा।

(ब) कार्यालय के सजावट के लिये ₹ 5,000 का फर्नीचर उपयोग किया।

(स) ₹ 10,000 का बीमित फर्नीचर आग से जलकर नष्ट हो गया।

(द) बीमा कम्पनी ने ₹ 8,000 का दावा स्वीकार किया।

(य) बीमा कम्पनी से ₹ 8,000 दावे की राशि प्राप्त की।

(र) श्रीमती नारायणन को श्रीमान नारायणन के बदले ₹ 5,000 दिये।

(ल) भवन निर्माण के लिये ₹ 1,00,000 मूल्य की ईंट और ₹ 50,000 की लकड़ी नकद खरीदी।

(व) ₹ 10,000 की एक पुरानी मशीन खरीदी। इसके लाने पर ₹ 500 का भाड़ा दिया और तुरन्त ही इसकी मरम्मत पर ₹ 2,000 व्यय किये। इसे लगाने में ₹ 1,000 का माल भी व्यवसाय में लगा।

Ramesh deals in furniture business. Journalise his following transactions :

(a) Purchased furniture from furniture mart for business ₹ 50,000 and for personal use worth ₹ 5,000 on credit.

(b) Furniture costing ₹ 5,000 used in the furnishing of the office.

(c) Insured furniture of ₹ 10,000 destroyed by fire.

(d) Insurance company accepted the claim of ₹ 8,000.

(e) Received ₹ 8,000 the amount of claim from Insurance Company.

(f) Paid cash to Mrs. Narayanan on behalf of Mr. Narayanan ₹ 5,000.

(g) Bricks for ₹ 1,00,000 and Timber for ₹ 50,000 purchased for cash for construction of building.

(h) Purchased an old machinery for ₹ 10,000, spent ₹ 500 on its carriage and ₹ 2,000 on its immediate repairs, goods worth ₹ 1,000 also used from business on its installation.

इकाई–II / Unit–II

Q. 2. अशुद्धियों तथा उनके सुधार से आप क्या समझते हैं ? क्या अशुद्धियों के सुधार का लाभ-हानि खाता एवं चिट्ठे पर प्रभाव पड़ता है ? समझाइये।

What do you understand by Rectification of Errors ? Does the Rectification of Errors effect the Profit and Loss Account and Balance Sheet ? Explain.

अथवा OR

31 मार्च 2018 को श्री रमेश की पुस्तकों से निम्नांकित शेष लिये गये :

खातों के नाम	**डेबिट शेष**	**क्रेडिट शेष**
क्रय एवं विक्रय	96,000	1,20,000
पूंजी	–	80,000
स्कन्ध 1 अप्रैल 2017	20,800	–
डूबत ऋण	2,000	–
वेतन	10,000	–
कर व बीमा	4,000	–
सामान्य व्यय	4,800	–
अशोध्य ऋण के लिये आयोजन	–	3,600
आगत वाहन व्यय	1,120	–
आहरण	12,640	–
हस्तस्थ रोकड़	9,280	–
बैंक में रोकड़	8,000	–
देनदार एवं लेनदार	52,800	15,120
प्राप्त कमीशन	–	2,880
उपार्जित कमीशन 1 अप्रैल 2017	320	–
पूर्वदत्त वेतन 1 अप्रैल 2017	960	–
अदत्त व्यय 1 अप्रैल 2017	–	1,120
योग	2,22,720	2,22,720

निम्न तथ्यों को समायोजित करते हुये 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिये श्री रमेश की पुस्तकों में व्यापार एवं लाभ-हानि खाता तथा उक्त तिथि का चिट्ठा तैयार कीजिए :

(i) अन्तिम स्कन्ध ₹ 28,000

(ii) अग्रिम प्राप्त कमीशन ₹ 1,200

(iii) अदत्त व्यय ₹ 400

(iv) पूर्वदत्त बीमा ₹ 240

(v) डूबत ऋण ₹ 3,000

(vi) डूबत ऋणों के लिये देनदारों पर आयोजन 5% से बढ़ाना है।

The following balance were extracted from the books of Shree Ramesh on 31st March, 2018 :

Name of Accounts	Debit Balance	Credit Balance
Purchase & Sales	96,000	1,20,000
Capital	—	80,000
Stock opening 1st April 2017	20,800	—
Bad debts	2,000	—
Salaries	10,000	—
Tax and Insurance	4,000	—
General Exp.	4,800	—
Provision for Bad Debts	—	3,600
Carriage inward	1,120	—
Drawings	12,640	—
Cash in hand	9,280	—
Cash at bank	8,000	—
Debtors and Creditors	52,800	15,120
Commission received	—	2,880
Accrued commission 1st April 2017	320	—
Prepaid salary 1st April 2017	960	—
Outstanding Exp. 1st April 2017	—	1,120
	2,22,720	2,22,720

After taking the following into consideration prepare Trading and Profit & Loss Account and Balance Sheet in the books of Shri Ramesh as on 31st March, 2018 :

(i) Closing Stock ₹ 28,000

(ii) Advance receipt of commission ₹ 1,200

(iii) Outstanding Expenses ₹ 400

(iv) Prepaid Insurance ₹ 240

(v) Bad Debts ₹ 3,000

(vi) Provision for bad debts is to be increased by 5% on debtors.

इकाई–III / Unit–III

Q. 3. ह्रास का क्या आशय हैं ? ह्रास के लिये प्रबन्ध करना क्यों आवश्यक हैं ?

What is depreciation ? Why is arrangement for depreciation is made ?

अथवा OR

प्राप्ति-भुगतान खाता एवं आय-व्यय खाता की प्रमुख विशेषताएं समझाइये। इन खातों को कौन तैयार करता है, और क्यों ?

Discuss the main characteristics of receipts and payments account and income and expenditure account. Who prepares these accounts and why ?

इकाई–IV / Unit–IV

Q. 4. A ने एक मशीन किराया क्रय पद्धति पर B से 1 अप्रैल 2014 को क्रय की। मशीन का रोकड़ी मूल्य 10,700 रु. है और किराया क्रय मूल्य 12,000 रु. है, इसका भुगतान चार वार्षिक किश्तों में जिनमें से प्रत्येक 3,000 रु. की है, किया जाना है। प्रत्येक किश्त प्रति वर्ष 31 मार्च को देय होती है। 5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज लेता है। दो किश्तों का भुगतान

करने के बाद A ने शेष राशि 1 अप्रैल 2016 को भुगतान कर दी और अपने नाम में स्वामित्व का हस्तान्तरण करवा लिया। किराया क्रय अधिनियम 1972 के अनुसार किराया क्रय क्रेता को छूट प्राप्त करने का अधिकार है। A की पुस्तकों में विक्रेता खाता, किराया क्रय प्रभार खाता और छूट खाता बनाइये।

A purchased a machinery from B on hire-purchase system on April 1, 2014. Its cash price is ₹ 10,700 and hire purchase price is ₹ 12,000 which is payable in 4 annual instalment of ₹ 3,000 each. Each instalment become due on 31st March each year. B charge interest @ 5% p.a. After paying two instalment A paid the remaining balance on 1st April 2016 and got the ownership transferred in his name. According to

Hire Purchase Act 1972. hire purchaser is entitled for rebate. Prepare Hire-vendor's Account, Hire Purchase Charge Account and Rebate Account in the books of A.

अथवा OR

किश्तों का भुगतान न करने पर किराया क्रय पद्धति एवं किश्त क्रय पद्धति में क्या व्यवस्था दी गई है ?

What provisions is laid down in Hire purchase system and Instalment purchase system in case of non payment of instalment ?

इकाई–V / Unit–V

Q. 5. भरत, दिलीप तथा जयन्त एक फर्म के साझेदार हैं और 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ हानि का विभाजन करते है। 31 मार्च 2013 को उनका चिट्ठा निम्नानुसार है :

चिट्ठा

31 मार्च, 2013 को

दायित्व	राशि	संपत्तियाँ	राशि
लेनदार	20,000	रोकड़	25,000
संचय कोष	25,000	विविध देनदार	20,000
पूंजी	80,000	स्कन्ध	25,000
भरत 50,000		टाइप राइटर	10,000
दिलीप 20,000		संयन्त्र	45,000
जयन्त 10,000			
	1,25,000		1,25,000

उन्होंने फर्म के विघटन का निर्णय लिया। संम्पत्तियों की वसूली से निम्न राशियाँ प्राप्त हुई : संयन्त्र 42,500 रुपये, टाइपराइटर 7,500 रुपये, स्कन्ध 35,000 रु. तथा विविध देनदार 18,500 रु.। लेनदारों ने 2% बट्टा दिया। भरत समस्त वसूली व्ययों को वहन करने को तैयार हो गया। इसके लिये भरत को 600 रु. दिये गये। वसूली के वास्तविक व्यय 950

रुपये हुये। एक 2,500 रुपये की सम्पत्ति अलिखित है, वह दिलीप ने 2,000 रुपये में ले ली। फर्म की पुस्तकों को बन्द करने हेतु आवश्यक खाते बनाइये।

Bharat, Dilip and Jayant are partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 2 : 2 : 1 Their balance sheet as on 31st March, 2013 is as follows :

Balance Sheet

As on 31st March, 2013

Liabilities		Amount	Assets	Amount
Creditors		20,000	Cash	25,000
Reserve Fund		25,000	Sundry Debtors	20,000
Capital		80,000	Stock	25,000
Bharat	50,000		Typewriters	10,000
Dilip	20,000		Plant	45,000
Jayant	10,000			
		1,25,000		1,25,000

They decided to dissolve the firm. The following are the amount realised : Plant Rs. 42,500, Typewriter Rs. 7,500, Stock Rs. 35,000 and Sundry Debtors Rs. 18,500.

Creditors are allowed a discount of 2% and Bharat is agreed to bear all realisation expenses. For this service Bharat is paid Rs. 600, actual expenses amounted to Rs. 950. There is an unrecorded asset of Rs. 2,500 which is taken over by Dilip at Rs. 2,000.

Prepare the necessary accounts to close the books of the firm.

अथवा OR

साझेदारी संलेख क्या है ? लेखाकर्म की दृष्टि से कम से कम उन पाँच महत्वपूर्ण बिन्दुओं को बताइये जिन्हें साझेदारी संलेख में अवश्य ही शामिल किया जाना चाहिये।

(15)

What is Partnership Deed ? State atleast five important points from accounting point of view which must be incorporated in a partnership deed.

Printed Pages – 15

JN-296

B.Com. (Part-I) (New Course)
Examination, 2021
Paper - I
FINANCIAL ACCOUNTING

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all the five questions. One question from each unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई–I

Unit–I

Q. 1. लेखांकन सिद्धान्तों की मूलभूत विशेषताएँ क्या हैं ? समझाइये।

What are the fundamental characteristics of accounting principle ? Explain.

अथवा

OR

निम्नलिखित व्यवहारों के लिये अम्बिकापुर के व्यवसायी श्री अनमोल कुमार की पुस्तकों में जर्नल की आवश्यक प्रविष्टियाँ कीजिये :

2017		₹
जनवरी 1	रोकड़ से व्यापार प्रारंभ किया	40,000
जनवरी 2	बैंक में जमा किये	24,000
जनवरी 8	संजीव को माल बेचा	9,000
जनवरी 10	संजीव से चेक प्राप्त किया (कटौती दी 170 रु.) और इसे बैंक में जमा किया	8,830
जनवरी 15	कार्यालय व्यय का भुगतान चेक द्वारा किया	100
जनवरी 18	लेखन सामग्री के लिये रोकड़ दी	150
जनवरी 20	संजीव को वेतन दिया	1,000
जनवरी 31	जीवन बीमा प्रीमियम का भुगतान किया	300

Pass the necessary Journal entries in the books of Shri Anmol Kumar of Ambikapur for the following transactions :

2017

		₹
January 1	Commenced business for cash	40,000
January 2	Deposit into Bank	24,000
January 8	Goods sold to Sanjeev	9,000
January 10	Received cheque from Sanjeev (after allowing him discount of Rs. 170) deposited into Bank	8,830
January 15	Paid office expenses by cheque	100
January 18	Paid for stationery	150
January 20	Paid salary to Sanjeev	1,000
January 31	Paid Life Insurance Premium	300

इकाई–II

Unit–II

Q. 2. लेखों की विभिन्न प्रकार की अशुद्धियाँ क्या हैं ? उदाहरणों की सहायता से विभिन्न अशुद्धियों का वर्णन कीजिये।

What are the various types of errors in accounts ? Explain the different errors by giving suitable examples.

अथवा

OR

मि. एक्स की पुस्तकों से 31 मार्च, 2018 को निम्न शेष उद्धृत किये गये :

पूंजी	24,500	ऋण	7,880
आहरण	2,000	विक्रय	65,360
सामान्य व्यय	2,500	क्रय	47,000
भवन	11,000	मोटरकार	2,000
मशीनरी	9,340	डूबत ऋण के लिये आयोजन	900
प्रारंभिक स्कंध	16,200	कमीशन (क्रेडिट)	1,320

कोयला और शक्ति	2,240	कार के खर्चे	1,800
कर एवं बीमा	1,315	देय बिल	3,850
मजदूरी	7,200	हस्तस्थ रोकड़	80
अधमर्ण	6,280	बैंक अधिविकर्ष	3,300
उत्तमर्ण	2,500	दान	105
अपहार	550		

निम्न समायोजन के बाद 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये अंतिम खाते तैयार कीजिये :

समायोजन :

(अ) 160 रु. डूबत ऋण के अपलिखित कीजिये एवं देनदारों पर 5 प्रतिशत डूबत ऋण का आयोजन कीजिये।

(ब) मशीनरी पर 10 प्रतिशत और मोटरकार पर 12 प्रतिशत ह्रास अपलिखित कीजिये।

(स) 750 रु. ऋण तथा बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज देना बाकी है।

(द) 250 रु. प्रति वर्ष हस्तांतरित करके एक दान कोष आरंभ करने का निश्चय किया गया।

(य) कार के व्यय तथा ह्रास का 1/3 भाग स्वामी के खाते में लगाना है।

(र) 31 मार्च, 2018 को मूल्यांकित स्टॉक 23,500 रु. है।

Following balances are extracted on 31st March, 2018 from the books of Mr. X :

Capital	24,500	Loan	7,880
Drawing	2,000	Sales	65,360
General Expenses	2,500	Purchases	47,000
Building	11,000	Motor Car	2,000
Machinery	9,340	Provision for Bad Debts	900
Opening Stock	16,200	Commission (Cr)	1,320
Coal and Power	2,240	Car Expenses	1,800
Taxes and Insurance	1,315	Bills Payables	3,850
Wages	7,200	Cash in Hand	80
Debtors	6,280	Bank Overdraft	3,300
Creditors	2,500	Donation	105
Discount	550		

Prepare the final account for the year ended on 31st March, 2018 after taking into account the following adjustments :

(a) Write-off 160 for bad debts and make provisions for bad debts at 5% on debtors.

(b) Depreciate machinery by 10% and motor car by 12%.

(c) Interest of Rs. 750 is outstanding on loan and bank overdraft.

(d) It was decided to transfer Rs. 250 every year to a charity fund.

(e) 1/3 of car expenses and depreciation amount to be transferred to owner's a/c.

(f) Stock valued on 31st March, 2018 Rs. 23,500.

इकाई–III

Unit–III

Q. 3. एक संयुक्त साहस कंपनी ने 1,00,000 रु. की एक मशीन (जिसमें 10,000 रु. का एक बॉयलर भी शामिल है) क्रय की। प्रति वर्ष में इस मशीन पर क्रमागत ह्रास पद्धति के आधार

पर 10% वार्षिक की दर से ह्रास काटा गया है। 5वें वर्ष में बॉयलर बेकार हो गया और इसे 2,000 रु. में बेचा गया। यह बिक्री राशि मशीन खाते के क्रेडिट पक्ष में लिखी गयी।

कंपनी की पुस्तकों में मशीन खाता बनाइये।

A Joint Stock Company has bought machinery for Rs. 1,00,000 including therein a boiler worth Rs. 10,000. The Machinery Account was first year credited for the depreciation on the reducing instalment system at the rate of 10% per annum. During the fifth year current year the boiler became useless on account of damage to some of its vital parts. The damaged boiler is sold for Rs. 2,000 which was credited to Machinery Account.

Preapare the Machinery Account in the books of Company.

अथवा

OR

रोकड़ पद्धति क्या है? रोकड़ पद्धति में रखी जाने वाली आवश्यक पुस्तकों को समझाइये।

What is Cash System? Explain the necessary books to be kept in the cash system.

इकाई–IV

Unit–IV

Q. 4. गौरव एक मशीन जिसका रोकड़ी मूल्य 20,450 रु. है, जिसका किराया क्रय पद्धति पर 22,500 रु. में क्रय करता है। किराया क्रय मूल्य का भुगतान क्रय तिथि के बाद निम्नानुसार किया जाता है :

4 माह बाद 2,500 रु., 6 माह बाद 3,750 रु., 9 माह बाद 7,500 रु. तथा 12 माह बाद 8,750 रु.। मशीन 1 जनवरी, 2018 को खरीदी गयी तथा प्रत्येक किश्त की अवधि की गणना इसी तिथि से की गयी है। विक्रेता की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइये।

Gaurav purchased a machine whose cash price is Rs. 20,450 on hire purchase system for Rs. 22,500. Payment of hire purchase price is made after the date of purchase in the following manner :

At the end of 4 months Rs. 2,500, at the end of 6 months Rs. 3,750, at the end of 9 months Rs. 7,500 and at the end of 12 months Rs. 8,750.

Machine is purchased on 1 January, 2018 and the date of payment of each installment is counted from this date. Open the necessary accounts in the books of Vendors.

अथवा

OR

टिप्पणी लिखिये :

(अ) ब्याज उचन्त खाता

(ब) किश्त भुगतान पद्धति की विशेषताएँ

Write note :

(a) Interest Suspense Account

(b) Characteristics of Installment Payment System

इकाई–V

Unit–V

Q. 5. फर्म के एकीकरण से क्या आशय है ? दो या दो से अधिक फर्मों के एकीकरण पर अपनायी जाने वाली लेखांकन प्रक्रिया को समझाइये।

What is meaning of Amalgamation ? Explain the accounting procedure when two or more firm amalgamate.

अथवा

OR

अनूप, बापट और कमल साझेदार थे और क्रमशः 4 : 3 : 1 में लाभ-हानि विभाजन करते थे, साझेदारी को एक सीमित दायित्व कंपनी में परिवर्तित करने का निश्चय किया। उक्त तिथि को इनके निम्नांकित चिट्ठे थे :

दायित्व	राशि	संपत्ति		राशि
लेनदार	10,000	भवन		18,000
देय विपत्र	2,000	मशीनरी		12,000
पूँजी खाते		देनदार	17,500	
अनूप	20,000	घटाया - प्रावधान	2,500	15,000
बापट	15,000	रहतिया		13,000
कमल	13,000	हस्तस्थ रोकड़		2,000
	60,000			60,000

कंपनी भवन तथा यंत्र 33,000 रु. के मूल्य पर लेगी और इनका भुगतान 10 रु. वाले 3,300 अंशों में किया जायेगा और देनदार तथा रहतिया पुस्तकीय मूल्य पर लेगी तथा ख्याति के लिये 4,000 रु. देगी। यह सभी राशियाँ 10 प्रतिशत ऋणपत्रों द्वारा चुकायी जायेगी।

विविध लेनदारों का फर्म द्वारा 3 प्रतिशत बट्टे पर तथा देय विपत्रों की पूर्ण राशि का भुगतान कर दिया जायेगा। समापन के व्यय 500 रु. हुये। यह मानते हुये कि साझेदारों के बीच कंपनी के अंश बराबर-बराबर तथा ऋणपत्र लाभ-हानि अनुपात में बांटे जाते हैं और सभी साझेदार आवश्यकता अनुसार रोकड़ लायेंगे अथवा ले जायेंगे, परिवर्तन का परिणाम दिखाते हुये आवश्यक खाते तैयार कीजिये।

Anup, Bapat and Kamal were partner sharing profit and loss in the ratio of 4 : 3 : 1. They decided to convert their partnership into a Ltd. Co. On this date their Balance Sheet was as follows :

P.T.O.

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Sundry Creditors	10,000	Building		18,000
Bills Payables	2,000	Machinery		12,000
Capital Accounts		Debtors	17,500	
Anup	20,000	Less - Provision	2,500	15,000
Bapat	15,000	Stock		13,000
Kamal	13,000	Cash in hand		2,000
	60,000			60,000

Company will take Building and Machinery for Rs. 33,000 and this payment will be discharge by issue of 3,300 shares of Rs. 10 each in the company. Debtor and Stock will be taken at their book value and Rs. 4,000 will be paid for goodwill, all these payments will be discharged by issue of 10% debentures in the company. Sundry Creditors will be paid of at 3% discount, but Bill Payable will be paid in full by the firm. Dissolution expenses amounted Rs. 500.

Assuming that shares are distributed equally and debentures in profit sharing ratio between the partners and all partners brings in or take out necessary the balance cash. Prepare necessary ledger accounts showing results of the conversion.